Sl. No.	Name of the Company	Minerals	Area/Distt./State	Date of Approval by the Central Govt.
29.	M/s Meridian Minerals India (P) Ltd.	Lead, zinc, copper, gold, bismuth, cadmium, silver and associated minerals	311.125 Sq. Kms. Distt. Ajmer (Rajasthan)	30.4.1998
30.	M/s RBW Minerals Industries Ltd.	Lead,.zinc, copper, gold, nickel, silver, cadmium and associated minerals	100.87 Sq. Kms. Distt. Pali (Rajasthan) *	30.4.1998
ft.	M/s RBW Minerals Industries Ltd.	Lead, zinc, copper, gold, cadmium, silver and associated minerals	3875.00 Sq. Kms. Distts. Bundi, Tonk, Bhilwara and Chittorgarh (Rajasthan)	30.4.1998
32.	M/s RBW Minerals Industries Ltd.	Lead, zinc, copper, gold, nickel, bismuth, cadmium, silver and associated minerals	3000.00 Sq. Kms. Distts. Pali & Rajsamand (Rajasthan)	30.4.1998
33.	M/s Geomysore Services (India) Pvt. Ltd.	Copper, lead, zinc, gold, molybdenum, diamond, nickel and platinum	3490.00 Sq. Kms. Distts. Nagpur, Bhandara & Gadchiroli (Maharashtra)	30.4.1998
34.	M/s Phelps Dodge Exploration India Pvt. Ltd.	Copper and associated minerals	2472 Sq. Kms. Distts. Singhbhum (East) and Singhbhum (West), Bihar	13.5.1998
35.	M/s WSIL Minerals Sands India Pvt. Ltd.	Copper, lead, zinc, gold, silver & associated minerals	1709.705 Sq. Kms. Bhilwara, Ajmer Pali & Ra-jasamand (Rajasthan)	5.6.1998
36.	M/s WSIL Minerals Sands India Pvt. Ltd.	Copper, lead, zinc, gold, silver & associated minerals	1200.00 Sq. Kms. Distt. Udaipur (Rajasthan)	5.6.1998
	TOTAL	!	51917.55	

देवभोग में हीरों के भंडार के खनन का प्रस्ताव

1289. **श्री राघवजी** : क्या **खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि **:**

(क) क्या मध्य प्रदेश सरकार ने देवभोग क्षेत्र में स्थित हीरों के भंडार के खनन के लिए अभी तक कोई प्रस्ताव भेजा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) हीरे जैसी बहुमूल्य वस्तुओं के खनन के संबंध में केन्द्र सरकार की क्या नीति है?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रमेश बैस) : (क) उपलब्ध सूचना के अनुसार, मध्य प्रदेश की राज्य सरकार ने मध्य प्रदेश के देवभोग क्षेत्र में हीरे का खनन पट्टा प्रदान करने के लिए किसी आवेदन की सिफारिश नही की है ।

(ख) प्रश्न नही उठता ।

(ग) खनिज रियायतें खान और खनिज (विनियमन और विकास) अधिनियम, 1957 तथा उसके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार संबंधित राज्य सरकारों द्वारा दी जाती है । खान और खनिज (विनियमन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा (3) की उपधारा (1) में परिभाषित किसी कम्पनी या भारतीय नागरिक को ही दिए जा सकते है । लेकिन, खान और खनिज (विनियमन और विकास) अधिनियम, 1957 की प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट किसी खनिज के लिए पूर्वेक्षण

लाइसेंस या खनन पट्टा, केन्द्र सरकार के पूर्व अनुमोदन के बिना नही दिया जाएगा । "हीरे" इस अधिनियम की उपरोक्त प्रथम अनुसूची में आते है ।

अजमेर में जिंक के भंडार

1290. **श्री ओंकार सिंह लखावत** : क्या **इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अजमेर (राजस्थान) में जिंक के भंडार पाये गए है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या अजमेर (घुघरा भुनाबे क्षेत्र) में जिंक के खनन की प्रक्रिया आरंभ हो गई है, यदि नही, तो इसके कब तक आरंभ होने की संभावना है; और

(घ) अजमेर में कितने भूक्षेत्र में जिंक के भंडार उपलब्ध हैं और इसकी अनुमानित मात्रा कितनी है?

इस्पात और खनन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रमेश बैस) : (क) और (ख) जी हां । राजस्थान के अजमेर जिले में निम्नलिखित महत्वपूर्ण जस्ता सीसा भंडार पाए गए है:-

	भण्डार (एम0टी0)	जस्ता (%)	सीसा (%)
कयार	10.00	14.89	2.67
धुरा	5.52	3.35	1.88
कनकराया	9.01	3.22	2.56
मदारपुरा भुनावे	6.6	5.51	-
कालाबाड़ खण्ड	1.25	6.76	
टिखी खण्ड	1.47	2.54	1.90
सावर खण्ड	0.90	1.45	2.54
बेजता सेन्ट्रल ब्लाक	1.22	3.84	2.57
गणेशपुर खण्ड	0.766	5.75	(कुल सीसा+जस्ता)
टिखी एक्सटेंशन नार्थ ब्लाक	0.4	3.93	(कुल सीसा+जस्ता)

(ग) जी, अभी नही । हिन्दुस्तान जिंक लि0 (एच जेड एल) ने घुघरा क्षेत्र में खनन पट्टा प्राप्त किया है । परन्तु भण्डारों की आर्थिक व्यवहार्यता का अभी मूल्यांकन किया जाना बाकी है जिसके लिए अतिरिक्त गवेषण कार्य की आवश्यकता पड़ सकती है ।

(घ) अधिकांश भंडार अजमेर के आस-पास 80 वर्ग कि0मी0 क्षेत्र में है । कुल लगभग 37.14 मिलियन टन के भण्डारों का अभी तक अनुमान लगाया गया है ।

सरकार द्वारा घोषित खनन परियोजनाएं

1291. **श्री अखिलेश दास** : क्या **खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत पांच वर्षो में सरकार द्वारा कितनी खनन परियोजनाएं घोषित की गई है;

(ख) उन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है जो निर्धारित समय सारणी से पीछे चल रही है और इसके क्या कारण है;

(ग) प्रत्येक परियोजना के संबंध में लागत में कितनी वृद्धि हुई है; और

(घ) इन परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए है?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रमेश बैस) : (क) पिछले पांच वर्षो के दौरान, खान मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की खनन परियोजनाओं के बारे में सरकार ने नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लि0 की बाक्साइट खानों, एलुमिना शोधनशाला और एल्युमिनियम संयंत्र की क्षमता